(1)

DESHBANDHU COLLEGE ★ LIBRARY ★ Kalkaji, New Delhi-19
9/12/11

[This question paper contains 4 printed pages]

Your Roll No. : .....

Sl. No. of Q. Paper : **2468** **HC**

Unique Paper Code : 62054306

Name of the Course : **B.A.(Programme) C.B.C.S.**

Name of the Paper : Hindi Katha Sahitya

Semester : III

Time : 3 Hours ***Maximum Marks : 75***

विद्यार्थियों को निर्देश :

(क) इस प्रश्न-पत्र के प्राप्त होने पर तुरंत शीर्ष पर अपना रोल नंबर लिखें।

(ख) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। 10+10=20

(क) जालपा को गहनों से जितना प्रेम था, उतना कदाचित् संसार की और किसी वस्तु से न था और उसमें आश्चर्य की कौन सी बात थी। जब वह तीन वर्ष की अबोध बालिका थी, उस वक्त उसके लिए सोने के

चूड़े बनवाये गये थे। दादी जब उसे गोद में खिलाने लगती, तो गहने की ही चर्चा करती-तेरा दूल्हा तेरे लिए बड़े सुन्दर गहने लायेगा। ठुमक-ठुमककर चलेगी।

अथवा

प्रेम बड़ा बेढ़व होता है भैया। बड़े-बड़े चूक जाते हैं, तुम तो अभी लड़के हो। ग़बन के हजारों मुकदमें हर साल होते हैं। तहकीकात की जाए तो सबका कारण एक ही होगा- गहना। दस-बीस वारदात तो मैं आँखों देख चुका हूँ। यह रोग ही ऐसा है।

(ख) मुहल्ले में चौधरी पीरबख्या की इज्जत थी। इज्जत का आधार था, घर के दरवाजे पर लटका पर्दा। भीतर जो भी हो पर्दा सलामत रहता। कभी बच्चों की खींच-खाँच या बेदर्द हवा के झोकों से उसमें छेद हो जाते, तो पर्दों की आड़ से हाथ सुई-धागा ले उसकी मरम्मत कर देते।

अथवा

थोड़ी देर बाद मुझे भी ध्यान हुआ, मैं आया तो हूँ मालती से मिलने किन्तु, यहाँ वह बात करने को बैठी है और मैं पढ़ रहा हूँ, पर बात भी क्या की जाए ? मुझे ऐसा लग रहा था कि इस घर पर जो छाया घिरी हुई है, वह अज्ञात रहकर भी मानो मुझे ही वश कर रही है, मैं भी वैसा ही नीरस निर्जीव-सा हो रहा हूँ, जैसे-हाँ, जैसे यह घर, जैसे मालती.....।

2. उपन्यास के विभिन्न तत्वों का परिचय दीजिए। 12

अथवा

उपन्यास की परिभाषा देते हुए उसके स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

3. 'गबन' का प्रतिपाद्य लिखिए। 12

अथवा

उपन्यास के तत्वों के आधार पर 'गबन' की समीक्षा कीजिए।

4. कहानी के तत्वों को स्पष्ट कीजिए। 12

अथवा

कहानी की पात्र-योजना पर प्रकाश डालिए।

5. 'परदा' कहानी की मूल समस्या पर विचार कीजिए। 12

अथवा

'हरी बिन्दी' की मूल संवेदना स्पष्ट कीजिए।

6. किसी **एक** पर टिप्पणी लिखिए : 7

(क) 'रोज कहानी के आधार पर मालती का चरित्र

(ख) 'दिल्ली में एक मौत' की मूल समस्या

(ग) 'दाज़्यू' में चित्रित जगदीश बाबू का चरित्र

DESHBANDHU COLLEGE LIBRARY Kalkaji New Delhi-19
18/12/17

[This question paper contains 4 printed pages]

Your Roll No. : .....

Sl. No. of Q. Paper : **2469** **HC**

Unique Paper Code : 62054306

Name of the Course : **B.A.(Programme) (CBCS)**

Name of the Paper : Hindi Katha Sahitya

Semester : III

Time : 3 Hours ***Maximum Marks : 75***

विद्यार्थियों को निर्देश :

(क) इस प्रश्न-पत्र के प्राप्त होने पर तुरंत शीर्ष पर अपना रोल नंबर लिखें।

(ख) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

10+10=20

(क) फिर सोचने लगा। जालपा यहाँ कैसे आयी। अकेले ही आयी है या और कोई साथ है ? जालिम ने बुढ्ढे से एक मिनट भी बात न करने दिया। जालपा पूछेगी तो जरूर कि क्यों भागे थे। साफ-साफ कह दूँगा, उस समय और कर ही क्या सकता था। पर इन थोड़े

P.T.O.

दिनों के कष्ट ने जीवन का प्रश्न तो हल कर दिया। अब आनन्द से जिन्दगी कटेगी।

अथवा

जब तुम्हारी आमदनी इतनी कम थी तो गहने लिए ही क्यों ? मैंने तो कभी जिद न की थी और मान लो, मैं दो-चार बार कहती थी, तो तुम्हें समझ-बूझकर काम करना चाहिए था। अपने साथ मुझे भी चार बातें सुनवा दी। आदमी सारी दुनिया से परदा रखता है, लेकिन अपनी स्त्री से परदा नहीं रखता। तुम मुझसे भी परदा रखते हो।

(ख) मैं चुपचाप खड़ा तब देख रहा हूँ और अब न जाने क्यों मुझे मन में लग रहा है कि दीवानचंद की शव यात्रा में कम से कम मुझे शामिल हो ही जाना चाहिए था। उनके लड़के से मेरी खासी जान-पहचान है और ऐसे मौके पर तो दुश्मन का साथ भी दिया जाता है। सर्दी की वजह से मेरी हिम्मत टूट रही है पर मन में कहीं शवयात्रा में शामिल होने की बात भीतर-ही-भीतर कोंच रही है।

अथवा

मनुष्य की भावनाएँ बड़ी विचित्र होती हैं। निर्जन, एकान्त स्थान में निस्संग होने पर भी कभी-कभी आदमी एकाकी अनुभव नहीं करता। परन्तु इसके विपरीत कभी-कभी सैंकड़ों नर नारियों के बीच जनरवमय वातावरण में रहकर भी सूनेपन की अनुभूति होती है।

2. उपन्यास और सामाजिक यथार्थ के अंतर्संबंध पर प्रकाश डालिए। 12

अथवा

उपन्यास के विविध रूपों को स्पष्ट कीजिए।

3. जालपा मध्यवर्गीय नारी का प्रतिनिधित्व करती है। समीक्षा कीजिए। 12

अथवा

'गबन' के शीर्षक की सार्थकता सिद्ध कीजिए।

4. कहानी और उपन्यास का अंतर स्पष्ट कीजिए। 12

अथवा

कहानी का शिल्पगत वैशिष्ट्य स्पष्ट कीजिए।

5. 'रोज़' कहानी का प्रतिपाद्य लिखिए। 12

अथवा

'दिल्ली में एक मौत' यथार्थवादी कहानी है। समीक्षा कीजिए।

6. किसी एक पर टिप्पणी लिखिए : 12

(क) दाज़्यू में निहित व्यंग्य

(ख) 'परदा' कहानी का शिल्प

(ग) 'हरी बिन्दी' में अभिव्यक्त समस्या

[This question paper contains 4 printed pages.]

DESHBANDHU COLLEGE LIBRARY Kalkaji, New Delhi-19

Your Roll No..............

Sr. No. of Question Paper : 2496 **HC**

Unique Paper Code : 62054303

Name of the Paper : **प्रश्नपत्र – 3.1, अनुवाद और अनुवाचन**

Name of the Course : B.A. (Programme) (Functional Hindi) III (CBCS)

Semester : III

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

2. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी की अवधारणा का परिचय देते हुए इस क्षेत्र में अनुवाद के महत्त्व को रेखांकित कीजिए।

अथवा

अनुवाद की परिभाषा देते हुए लक्ष्यभाषा और स्रोतभाषा की स्थिति को स्पष्ट कीजिए। (15)

2. अनुवाद प्रक्रिया के प्रत्येक चरण का उदाहरण सहित परिचय दीजिए।

अथवा

P.T.O.

अनुवाद के प्रमुख उपकरणों का उल्लेख कीजिए। (15)

3. तत्काल भाषांतरण क्या है? वर्तमान समय में इसके स्वरूप और महत्त्व पर विचार कीजिए।

अथवा

अनुवाद और तत्काल भाषांतरण में साम्य-वैषम्य पर उदारहण सहित चर्चा कीजिए। (15)

4. (क) हिन्दी में अनुवाद कीजिए।

Lala Lajpat Rai was the most prolific writer among his contemporary nationalist leaders of India. His literary activity started when he was still in his teens and he continued to write almost to the last day of his life. He was the author of a score of books in English and Urdu, besides numerous articles contributed to newspapers and periodicals published in India as well as abroad. He had a strong desire to write a complete autobiography, but this task could not be accomplished because of his sudden death in 1928.

अथवा

Kanubhai Gandhi, a grandson of Mahatma Gandhi and retired NASA scientist, died at a private hospital in Surat on Monday evening. Kanubhai was admitted to the hospital on October 22 after suffering a heart attack, and was put on the ventilator following a paralytic attack. Kanubhai, son of the Mahatma's third son Ramdas Gandhi, was 86.

He survived by his wife Shivalaxmi. The couple did not have a child. Kanubhai was captured in a famous photograph pulling Mahatma Gandhi's walking stick as he led the Salt Satyagraha at Dandi in Gujarat. (10)

(ख) किन्हीं **दस** का हिन्दी में अनुवाद कीजिए:

(i) Application may be rejected.

(ii) Kindly acknowledge.

(iii) Please circulate and file.

(iv) Seen and returned with thanks.

(v) This may please be treated as urgent.

(vi) Once in a blue moon.

(vii) Kill two birds in one stone.

(viii) One in hand is better than two in bush.

(ix) An apple of one's eye

(x) An empty vassals makes much noise

(xi) During the term of office.

(xii) Equally entitled.

(xiii) Beauty needs no ornaments.

(xiv) Time is greater healer.

(xv) Brain dead man gives new life to soul, vision to two.

अथवा

(ग) किन्दीं **दस** का हिन्दी में अनुवाद कीजिए:

(i) Authority

(ii) Audience

(iii) Bearer

(iv) Circular

(v) Compensation

(vi) Current Account

(vii) Dividend

(viii) Enclosure

(ix) Editorial

(x) Goodwill

(xi) Guaranty

(xii) Honorarium

(xiii) Special cell

(xiv) Reviewer

(xv) Navigator (10)

5. किसी **एक** पर टिप्पणी कीजिए

(क) अनुवाद पुनरीक्षण

(ख) काव्यानुवाद (10)

30/11/17

[This question paper contains 4 printed pages]

DESHBANDHU COLLEGE LIBRARY Kalkaji, New Delhi-19

Your Roll No. : .....

Sl. No. of Q. Paper : **2841** **HC**

Unique Paper Code : 62051312

Name of the Course : **B.A. (Prog) C.B.C.S.**

Name of the Paper : Hindi-A

Semester : III

Time : 3 Hours ***Maximum Marks : 75***

(इस प्रश्न-पत्र के प्राप्त होने पर तुरंत शीर्ष पर अपना रोल नंबर लिखें।)

1. निम्नलिखित अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। 10×2=20

(क) जाड़े के दिन थे और रात का समय। नमक के सिपाही, चौकीदार नशे में मस्त थे। मुंशी वंशीधर को यहाँ आए अभी छह महीने से अधिक न हुए थे लेकिन इस थोड़े समय में ही उन्होंने अपनी कार्यकुशलता और उत्तम आचार से अफसरों को मोहित कर लिया था। अफसर लोग उन पर बहुत विश्वास करने लगे। नमक के दफ्तर से एक मील पूर्व की ओर जमुना बहती थीं, उस पर नावों का एक पुल बना हुआ था। दरोगा जी किवाड़ बंद किए मीठी नींद सो रहे थे।

P.T.O.

अचानक आँख खुली तो नदी के प्रवाह की जगह गाड़ियों की गड़गड़ाहट तथा मल्लाहों का कोलाहल सुनाई दिया।

अथवा

मन की आशाएँ और उमंगें जैसे बढ़ती हैं, वैसे ही मेरा नेता भी बढ़ने लगा। थोड़ा बड़ा हुआ, तो गाँव के स्कूल में ही उसकी शिक्षा प्रारम्भ हुई। यद्यपि मैं इस प्रबंध से विशेष संतुष्ट नहीं थीं, पर स्वयं ही मैंने ऐसी परिस्थिति बना डाली थी कि इसके सिवाय कोई चारा नहीं था। धीरे-धीरे उसने मिडिल पास किया। यहाँ तक आते-आते उसने संसार के सभी महान व्यक्तियों की जीवनियाँ और क्रांतियों के इतिहास पढ़ डाले।

(ख) प्रत्येक देश का साहित्य उस देश के मनुष्यों के हृदय का आदर्श रूप है। जो जाति जिस समय भाव से परिपूर्ण या परिलुप्त रहती है वे सब उसके भाव उस समय के साहित्य की समालोचना से अच्छी तरह प्रगट हो सकते हैं। मनुष्य का मन जब शोक-संकुल, क्रोध से उद्दीप्त या किसी प्रकार की चिंता से दोचिंता रहता है तब उसकी मुखच्छवि तमसाच्छन्न, उदासीन और मलिन रहती है: उस समय कण्ठ से जो ध्वनि निकलती है वह भी या तो फुटही ढोल समान बेसुरी, बेताल या कस.गापूर्ण तथा विकृत-स्वर संयुक्त होती हैं।

अथवा

उत्साह की गिनती अच्छे गुणों में होती है। किसी भाव के अच्छे या बुरे होने का निश्चय अधिकतर उसकी प्रवृत्ति के शुभ या अशुभ परिणाम के विचार से होता है। वही उत्साह जो कर्त्तव्य कर्मों के प्रति इतना सुंदर दिखाई पड़ता है, अकर्त्तव्य कर्मों की ओर होने पर वैसा श्लाघ्य नहीं प्रतीत होता। आत्मरक्षा, पर-रक्षा, देश-रक्षा आदि के निमित्त साहस की जो उमंग दिखाई देती है उसके सौंदर्य को परपीड़न डकैती आदि कर्मों का साहस कभी नहीं पहुंच सकता। यह बात होते हुए भी विशुद्ध उत्साह या साहस की प्रशंसा संसार में थोड़ी-बहुत होती ही है। अत्याचारियों या डाकुओं के शौर्य और साहस की कथाएँ भी लोग तारीफ करते हुए सुनते हैं।

2. हिन्दी उपन्यास के इतिहास पर प्रकाश डालिए। 12

अथवा

संस्मरण विधा पर प्रकाश डालिए।

3. 'पुरस्कार' कहानी का सार अपने शब्दों में लिखिए। 12

अथवा

'मलबे का मालिक' कहानी की मूल संवेदना व्यक्त कीजिए।

4. 'नाखून क्यों बढ़ते हैं'? निबन्ध के आधार पर हजारी प्रसाद द्विवेदी की निबंध शैली पर विचार कीजिए। 12

अथवा

'मेरे राम का मुकुट भीग रहा है' निबंध में विद्यानिवास मिश्र ने किस समस्या को उजागर किया है

5. 'अंधेर नगरी' नाटक की संवेदना। 12

अथवा

'घीसा' का चरित्र-चित्रण कीजिए।

6. किसी एक पर टिप्पणी कीजिए। 7

(क) प्रसादोत्तर युग के प्रमुख नाटककार

(ख) स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी उपन्यास का सामान्य परिचय।

(5)

This question paper contains 4 printed pages] 30/11/17

Roll No. | | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : **2842**

Unique Paper Code : **62051313**

DESHBANDHU COLLEGE LIBRARY Kalkaji, New Delhi-19

HC

Name of the Paper : **Hindi-B**

Name of the Course : **B.A. (Prog.)—CBCS**

Semester : **III**

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **75**

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।)

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. हिंदी गद्य के उद्भव और विकास का सामान्य परिचय दीजिये। 12

अथवा

हिंदी के विभिन्न गद्य रूपों का संक्षिप्त परिचय दीजिये।

2. 'बूढ़ी काकी' कहानी की मूल संवेदना लिखिए। 12

अथवा

'उसने कहा था' कहानी का प्रतिपाद्य लिखिए।

3. 'सदाचार का ताबीज़' पाठ के मूल कथ्य पर प्रकाश डालिए। 12

अथवा

'मेले का ऊंट' पाठ के मूल विचार का विश्लेषण कीजिये।

4. 'अंधेर नगरी' नाटक में वर्णित समस्या का वर्णन कीजिये। 12

अथवा

'बिबिया' पाठ में लेखिका ने समाज की किस समस्या की ओर इंगित किया है ? पाठ में वर्णित घटनाओं के आधार पर विवेचन कीजिये।

5. किन्हीं **दो** की सप्रसंग व्याख्या कीजिये : 2×10

(क) अब दोनों जाते हैं। मेरे भाग! तुम्हें याद है एक दिन तांगे वाले का घोड़ा दही वाले की दूकान के पास बिगड़ गया था। तुमने उस दिन मेरे प्राण बचाए थे। आप घोड़े की लातों में चले गए थे और मुझे उठा कर दुकानों के तख्ते पर खड़ा कर दिया था। ऐसे ही इन दोनों को बचाना। यह मेरी भिक्षा है। तुम्हारे आगे मैं आँचल पसारती हूँ।

(ख) मुझे नहीं मालूम था कि मेरे राज्य में ऐसे चमत्कारी साधू भी हैं। महात्मन हम आपके बहुत आभारी हैं। आपने हमारा संकट हर लिया । हम सर्वव्यापी भ्रष्टाचार से बहुत परेशान थे। मगर हमें लाखों नहीं करोड़ों ताबीज़ चाहिए। हम राज्य की ओर से ताबीजों का एक कारखाना खोल देते हैं। आप उसके जनरल मैनेजर बन जाएँ और अपनी देख-रेख में बढ़िया ताबीज़ बनवाएँ।

(ग) बात यह है कि कल कोतवाल को फांसी का हुक्म हुआ था। जब फांसी देने को उसको ले गए तो फांसी का फंदा बड़ा हुआ, क्योंकि कोतवाल साहब दुबले हैं। हम लोगों ने महाराज से अर्ज किया, इस पर हुकुम हुआ कि एक मोटा आदमी पकड़ कर फांसी दे दो क्योंकि बकरी मारने के अपराध में किसी-न-किसी को सजा होनी जरूर है, नहीं तो न्याय ना होगा। इसी वास्ते तुमको ले जाते हैं कि कोतवाल के बदले तुमको फांसी दें।

6. किसी **एक** पर टिप्पणी लिखिए : 7

(क) कहानी के तत्व

(ख) नाटक का विकास

(ग) संस्मरण विधा।

(6)
DESHBANDHU COLLEGE LIBRARY
Kalkaji, New Delhi-19
30/11/17

[This question paper contains 4 printed pages]

Your Roll No. : ....

Sl. No. of Q. Paper : **2843** **HC**

Unique Paper Code : 62051314

Name of the Course : **B.A.(Programme) CBCS**

Name of the Paper : Hindi 'C'

Semester : III

Time : 3 Hours ***Maximum Marks : 75***

विद्यार्थियों के निर्देश :

निर्देश : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. किन्ही दो की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। 10×2=20

(क) "रमजान के पूरे तीस रोजों के बाद आज ईद आई है। कितना मनोहर, कितना सुहावना प्रभात है। वृक्षों पर कुछ अजीब हरियाली है, खेतों में कुछ अजीब रौनक है, आसमान पर कुछ अजीब लालिमा है। आज का सूर्य देखो, कितना प्यारा, कितना शीतल है, मानो संसार को ईद की बधाई दे रहा है। गाँव में कितनी हलचल है। ईदगाह जाने की तैयारियाँ हो रही हैं। किसी के कुरते में बटन नहीं हैं। पड़ोस के घर में सुई-तागा लेने दौड़ा जा रहा है। किसी के जूते कड़े हो गए हैं, उनमें तेल डालने के लिए तेली के घर भागा जाता है।"

P.T.O.

(ख) "बोर्ड लगा है। खादी भण्डार। आयताकार काउण्टर लम्बे। पीछे आलमारियों में खादी के थान। हल्के रंगों में मोटे कपड़े। कोसा, साड़ियाँ, खादी, रेशम और कुछ रेडीमेड कपड़ें आलमारी पर यहाँ-वहाँ धूल, बाहर कभी-कभी अन्धड़-सा चल जाता है। अभी सुबह के साढ़े नौ ही बज रहे हैं। काउण्टर के पीछे एक आदमी सुस्त झुका हुआ है, सिर टिकाये बाहर सड़क की ओर देखता। खादी पहने है, कुर्ता-पाजामा। एक और व्यक्ति है। कुर्ता-पाजामा के साथ काली जाकेट भी पहने है। हिसाब लगा रहा है।"

(ग) "गाँवों की आवश्यकताएँ तो बहुत-सी हैं, पर उनमें कुछ की पूर्ति तो अविलम्ब होनी चाहिए, नहीं तो देशोद्धार का कोई आन्दोलन सर्वांशतः सफल नहीं हो सकता। पहली आवश्यकता, शिक्षा-प्रचार के लिए, स्कूल-पाठशालाओं की है। बहुत से गाँवों में प्रारम्भिक शिक्षा की भी उत्तम व्यवस्था नहीं है। कुछ गाँवों में छोटे-मोटे स्कूल हैं, पर उनमें से बहुतों की दशा शोचनीय है। आपस में मतभेद अथवा ईर्ष्या-द्वेष के कारण अनेक स्कूलों से शिक्षा का वास्तविक प्रचार नहीं हो पाता।"

(घ) "इसके सामने वह हथियार डाल देते थे। उनका 'न थकने वाला दूसरा मन' उतना सक्रिय नहीं था। उन्हें पारिवारिक चिन्ताएँ थीं। उनमें नौकरशाही, राजसत्ता का व्यवहार रह-रहकर असुरक्षा की भावनाएँ पैदा करता था। इन सब से लड़ना उनके लिए सम्भव नहीं था। इस विषय में वह निम्नमध्यवर्गीय ग्रामीण किसान थे जो अदालत में पहुँच कर अदने से अदने सरकारी नौकर को देखकर काँप उठता है।"

2. हिन्दी निबंध के विकास पर प्रकाश डालें। 12

अथवा

हिन्दी नाटक के स्वरूप व विकास पर प्रकाश डालिए।

3. 'ईदगाह कहानी का प्रतिपाद्य लिखिए। 12

अथवा

'चीफ की दावत' कहानी में माँ और पुत्र के संबंध पर प्रकाश डालिए।

4. 'गाँवों की अनिवार्य आवश्यकताएँ' निबंध का सार लिखिए। 12

अथवा

'होना कुछ नहीं का' पाठ का प्रतिपाद्य लिखिए।

5. 'गिल्लू' पाठ का सार लिखिए। 12

अथवा

गंगा स्नान करने चलोगे ? पाठ की विशेषताएँ बताइए।

6. किसी **एक** पर टिप्पणी लिखिए। 7

(क) स्वतंत्रतापूर्व गद्य साहित्य

(ख) प्रेमचंद पूर्व कहानी

(ग) संस्मरण